श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 34, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार, 9 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

यूपी में रविवार का लॉकडाउन भी खत्म, साप्ताहिक बंदी अब पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए राज्य में लागू वीकेंड लॉकडाउन को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। प्रदेश में अनलॉक-4 के तहत सिर्फ रविवार को साप्ताहिक बंदी कर दी थी। अब सरकार ने रविवार की बंदी की बाध्यता भी खत्म कर दी है। यानी अब बाजारों में पुरानी व्यवस्था लागू की जा सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा बैठक के बाद रविवार को होने वाला लॉकडाउन भी खत्म कर दिया है। इससे पहले दो दिनों का वीकेंड लॉकडाउन शनिवार और रविवार का होता था। बीते दिनों सरकार ने शनिवार का लॉकडाउन खत्म किया था और अब रविवार का लॉकडाउन भी खत्म कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी के प्रति लोगों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए आर्थिक गतिविधियां संचालित कराई जाएं। मुख्यमंत्री लोक भवन में उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसजीपीजीआई, केजीएमयू तथा डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा 1,000 आईसीयू बेड्स तैयार किए जाएं। उन्होंने कन्टेनमेंट जोन में सभी लोगों का कोविड-19 टेस्ट सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक रविवार को बाजारों की प्रदेश व्यापी साप्ताहिक बन्दी के स्थान पर अब बाजारों की साप्ताहिक बन्दी पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप रहेगी। उन्होंने कहा कि कन्टेनमेंट जोन को छोड़कर अन्य स्थानों पर सभी होटल व रेस्टोरेंट का संचालन कराया जाए। इस गतिविधि में संक्रमण से सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। तहसील दिवस तथा थाना दिवस कोविड-19 की गाइड लाइन के अनुसार संचालित करने के निर्देश दिए हैं। ईज ऑफ डुइंग बिजनेस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इसी प्रकार ईज ऑफ लिविंग की दिशा में भी कार्ययोजना बनाकर प्रयास करने की आवश्यकता है। इससे लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आएगा।

मध्य प्रदेश : आईआईटी इंदौर कैंपस में सेंट्रल स्कूल खोले जाने का केंद्र ने किया एलान

इंदौर, जागरण संवाददाता। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में अब स्कूल भी लगेगा। 11 वर्ष पुराने आइआइटी इंदौर में केंद्रीय स्कूल की शाखा खोली जाएगी। केंद्र सरकार ने इसकी घोषणा की है। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल ने मंगलवार को औपचारिक एलान भी कर दिया। आईआईटी इंदौर प्रशासन ने पुष्टि करते हुए कहा है कि बीते दिनों केंद्र सरकार को संस्थान ने इस संबंध में प्रस्ताव भेजा था।

मुझे यह साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय संगठन की विशाल श्रृंखला में एक नया नाम जुड़ने जा रहा है। आज केन्द्रीय विद्यालय आईआईटी, इंदौर खोलने के आदेश हो रहे हैं।इंदौर के मुख्य शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर सिमरोल गांव में आईआईटी का नया कैम्पस बना है। कैम्पस में विकास कार्य अब भी चल रहे है। स्कूल के लिए संस्थान में अलग से बिल्डिंग बनाई जाएगी। संस्थान के शिक्षक और कर्मचारियों के बच्चों को इसमें प्रवेश दिया जाएगा। संस्थान का कहना है कि फिलहाल औपचारिक अनुमोदन और मंजूरी आदेश का इंतजार है। संभव है कि अगले सत्र से नए केंद्रीय स्कूल में प्रवेश शुरू कर दिया जाए। नया केंद्रीय विद्यालय खुलने के साथ इंदौर में कुल चार केंद्रीय विद्यालय हो जाएंगे।

देश के सभी आइआइटी में केंद्रीय विद्यालय खोलने का प्रावधान होता है। आइआइटी मुंबई, कानपुर, पटना, धनबाद में भी स्कूल है। हमने भी इसके लिए भवन पहले ही तैयार कर लिया था। 26 कमरों के भवन में फिलहाल फिजिक्स और केमिस्ट्री की लैब संचालित हो रही है। आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निर्देशक डॉ. निलेश कुमार जैन ने बताया कि फरवरी 2020 में स्कूल की मान्यता के लिए आवेदन किया था। संस्थान के साथ बाहर के मेरिट विद्यार्थी भी स्कूल में प्रवेश ले सकेंगे। स्कूल का संचालन केंद्रीय विद्यालय की मैनेजमेंट कमेटी करेगी।

धर्मांतरण में लिप्त 13 एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस किए गए निलंबित

नई दिल्ली, जेएनएन। गृह मंत्रालय ने 13 गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) की विदेशी फंडिंग के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। उन पर फॉरेन कंट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए)-2010 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए अनुसूचित जनजाति क्षेत्र में धर्मांतरण की गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप है।

गृह मंत्रालय को खुफिया रिपोर्ट मिली थी कि ये एनजीओ कुछ प्रदेशों और खासकर झारखंड के अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों में स्थानीय लोगों का धर्मांतरण कराकर ईसाई बनाने के कार्य में संलिप्त थे। इसके बाद एनजीओ के एफसीआरए लाइसेंस को निलंबित करके इनके बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया। अनुच्छेद 12 (4) के तहत एफसीआरए अधिकारी धर्मांतरण जैसे कार्यों में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से लिप्त एनजीओ के लाइसेंस निलंबित कर सकते हैं।

बताया जा रहा है कि खुफिया एजेंसियों ने धर्मांतरण के काम में इन एनजीओ की तरफ से इस्तेमाल किए गए विदेशी फंड के पुराने रिकॉर्ड भी पेश किए थे। इन सभी एनजीओ को नोटिस जारी किए गए। इनमें से एक को छोड़कर बाकी किसी ने तय समय में जवाब नहीं दिया और जिसने जवाब दिया वह संतोषजनक नहीं पाया गया।

ड्रग्स मामले में रिया चक्रवर्ती गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, मुंबई। नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने मंगलवार को सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध हालात में मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में सुशांत की महिला मित्र रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर लिया। रिया इस मामले में गिरफ्तार होने वाली दसवीं आरोपित हैं। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश किए जाने पर कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

एनसीबी ने मंगलवार को रिया से लगातार तीसरे दिन करीब पांच घंटे तक पूछताछ की और उसके बाद दोपहर बाद 3.30 बजे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए एनसीबी के उपनिदेशक (ऑपरेशंस) केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि रिया के परिवार को गिरफ्तारी की सूचना दे दी गई है। रिया को उसकी वाट्सएप चैट से मिली जानकारियों और उससे पहले गिरफ्तार किए गए लोगों के बयानों के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। एनसीबी ने कोर्ट में पेशी के दौरान रिया को अपनी हिरासत में देने की मांग नहीं की। इसका कारण बताते हुए एनसीबी के उपमहानिदेशक अशोक जैन ने कहा कि हमने उसे पर्याप्त सुबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया है। पिछले कुछ दिनों में उससे पर्याप्त पूछताछ की जा चुकी है। इसलिए अब और पूछताछ की जरूरत नहीं है।

सूत्रों के अनुसार, एनसीबी अधिकारियों को इस मामले में अब तक गिरफ्तार लोगों से मुंबई के ड्रग सिंडीकेट से जुड़े कई और लोगों के बारे में पता चला है। रिया इस मामले में भी मुख्य आरोपित है। माना जा रहा है कि अब एनसीबी इस नई दिशा में भी जल्द ही अपनी कार्रवाई शुरू कर सकती है।

रिया से पहले इस मामले में नौ लोग और गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें रिया के छोटे भाई शौविक चक्रवर्ती, सुशांत सिंह राजपूत के पूर्व हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा, सुशांत के एक अन्य घरेलू सहायक दीपेश सावंत के अलावा ड्रग के धंधे में लिप्त छह खुदरा व्यापारी (ड्रग पेडलर्स) शामिल हैं। शौविक, सैमुअल और दीपेश की तरह रिया को भी एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 20बी, 27ए, 28 और 29 के तहत गिरफ्तार किया गया है। रिया पर नशीले पदार्थों की की खरीद-फरोख्त यानी ड्रग सिंडीकेट में शामिल होने के आरोप है।

रिया ने एनसीबी को बताया कि सुशांत 2016 से ही ड्रग लेते रहे थे और वह सुशांत के लिए ही ड्रग्स मंगाती रही हैं। रिया एनसीबी के सामने यह स्वीकार कर चुकी है कि उसने पाट्नटयों में कभी-कभार शौकिया तौर पर ड्रग्स या शराब का सेवन किया है, लेकिन वह इसकी आदी नहीं है। रिया यह भी स्वीकार कर चुकी है कि वह सुशांत के लिए ड्रग्स खरीदने का भुगतान करती थी। एनसीबी को इन भुगतानों के इलेक्ट्रॉनिक सुबूत भी मिल चुके हैं जो रिया के विरुद्ध जा सकते हैं। एनसीबी के रिमांड कॉपी में कहा गया है कि शौविक के जरिए रिया तक ड्रग्स आते थे। ड्रग पेडलर सुशांत के स्टाफ सैमुअल मिरांडा और दीपेश सावंत को ड्रग सौंपते थे जो बाद में रिया के जरिए सुशांत तक पहुंचते थे। रिया के जरिए ड्रग पेडलर को पेमेंट करवाया जाता था जिसके लिए पैसे सुशांत देते थे। कॉपी में यह भी कहा गया है कि रिया ने जांच में सहयोग किया है। शौविक, सैमुअल, दीपेश के पास से कोई ड्रग्स नहीं मिले हैं। शौविक चक्रवर्ती द्वारा अब्दुल बासित परिहार और जैद विलात्रा के जरिए ड्रग फैसिलिटेट किया जाता था। सैमुअल मिरांडा और दीपेश सावंत इस ड्रग को पेडलर्स से लेते थे। रिया और सुशांत इसके लिए पेमेंट देखते थे।

एनसीबी ने रिमांड कॉपी में लिखा है कि शौविक या रिया चक्रवर्ती ने ड्रग्स सीधे तौर पर नहीं खरीदे। दोनों ड्रग्स मुहैया करवाने में जरूर भागीदार थे। रिमांड कॉपी में एनसीबी ने लिखा है कि ड्रग्स के लिए पैसों के लेन-देन में रिया और सुशांत की भागीदारी थी। वह शौविक, सैमुअल और दीपेश को ड्रग्स लेने के लिए निर्देश देती थीं। पैसों का लेन-देन देखती थीं।

21 सितंबर से खुलेंगे 9 वीं से 12 वीं तक के स्कूल, स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की एसओपी

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 महीने से अधिक समय से बंद स्कूल अब चरण तरीके से खुलने जा रहे हैं। इसके लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इसके बारे में स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से खोला जाएगा। स्कूल आने वाले सभी लोगों को स्वास्थ्य पर लगातार निगरानी रखनी होगी। जहां-तहां थूकने पर पाबंदी होगी। दिशानिदेर्शों में साफ कहा गया है कि स्कूल में राज्य हेल्पलाइन नंबर के साथ ही स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के फोन नंबर भी प्रदर्शित किए जाएंगे।

प्रयोगशाला से लेकर कक्षाओं तक के छात्रों के बैठने की ऐसी व्यवस्था करनी होगी कि उनके बीच कम से कम 6 फीट की दूरी को बरकरार रखा जाए। छात्रों के इकट्ठा होने यानी असेंबली और खेलकूद से जुड़ी गतिविधियों की मनाही होगी क्योंकि इससे संक्रमण के फैलने का जोखिम होगा।

कंटेनमेंट जोन्स में रहने वाले शिक्षक या कर्मचारियों को स्कूल जाने की इजाजत नहीं है। वैसे स्कूल जिनका इस्तेमाल क्वारंटीन सेंटर के रूप में हुआ था, उन्हें आंशिक तौर पर खोले जाने से पहले अच्छी तरह से सैनिटाइज करने का निर्देश दिया गया है। सभी स्कूलों को हाइपोक्लोराइट सोलूशन से सैनिटाइज करने के निर्देश दिए गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से एसओपी में कहा गया है कि

ऑनलाइन/डिस्टेंस लर्निंग की अनुमति जारी रहेगी। स्कूल अधिकतम अपने 50 प्रतिशत शिक्षक और गैर शिक्षक स्टाफ को ऑनलाइन टीचिंग/ टेलीकाउंसलिंग और इससे जुड़े दूसरे कामों के लिए बुला सकते हैं। नौवीं से 12वीं तक के छात्र अगर अपने शिक्षकों से मार्गदर्शन लेने के लिए स्कूल जाना चाहेंगे तो उन्हें इसकी इजाजत होगी। हालांकि इसके लिए उन्हें अपने माता-पिता या अभिभावकों से लिखित सहमति लेनी होगी। छात्रों के पास ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प भी मौजूद रहेगा।

स्कूलों में एहतियाती उपायों में शिक्षक, कर्मचारी और छात्र शामिल होंगे, इसके अंतर्गत कम से कम छह फीट की शारीरिक दूरी सुनिश्चित करना, चेहरे को ढंकना, बार-बार हाथ धोना, श?वसन संबंधी शिष्टाचार का पालन करना, स्वास्थ्य की निगरानी करना और जगह-जगह नहीं थूकना शामिल है। विशेष रूप से इस बारे में लोगों से पूछा गया है। ऑनलाइन या डिस्टेंस लर्निंग को अनुमति और प्रोत्साहन देना जारी रखना चाहिए और कक्षा 9 से 12 के छात्रों को अपने शिक्षकों से मार्गदर्शन लेने के लिए स्वैच्छिक आधार पर स्कूल का दौरा करने की अनुमति देनी चाहिए।

छात्र-छात्रों को स्वेच्छा से स्कूल आने की आजादी होगी। किसी भी छात्र पर स्कूल आने के लिए दबाव नहीं बनाया जाएगा। बच्चे अपने माता-पिता की लिखित अनुमति लेकर ही स्कूल आएंगे। मंत्रालय ने यह भी कहा है कि दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षण को जारी रखना होगा। इसके लिए 50 फीसद शिक्षकों को स्कूल बुलाया जा सकता है। स्कूल में स्वीमिंग पूल को बंद ही रखा जाएगा। एयरकंडीशनर के तापमान को 24-30 डिग्री सेल्सियस के बीच ही रखना होगा। आद्रता 40-70 फीसद के बीच रखनी होगी। क्रॉस वेंटिलेशन और स्वच्छ हवा के लिए व्यवस्था करनी होगी।

NCB के लॉकअप में कटी रिया चक्रवर्ती की रात, आज भेजा जाएगा जेल

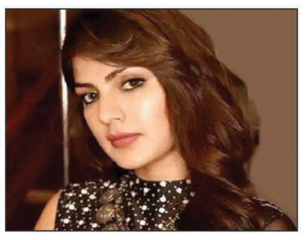

मुंबई, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग ऐंगल सामने आने के बाद रिया चक्रवर्ती को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। रिया चक्रवर्ती को 22 सितंबर तक जेल में रहना होगा। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने ड्रग्स के मामले में रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया है।कोर्ट के आदेश के बाद रिया चक्रवर्ती को मंगलवार की रात एनसीबी के लॉकअप में गुजारनी पड़ी। महाराष्ट्र जेल के मैनुअल के मुताबिक, रात में कैदी को जेल नहीं ले जाया जाता है। रिया को बुधवार सुबह 10 बजे के बाद भायखला जेल में शिफ्ट किया जाएगा। बता दें कि जैसे कैदी को रात के वक्त रिहा नहीं किया जाता, वैसे ही उसे जेल में भी नहीं शिफ्ट किया जाता है। इससे पहले कोर्ट ने रिया चक्रवर्ती की जमानत अर्जी खारिज कर दी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई सुनवाई में एनसीबी ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत मांगी थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।इसके बाद रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने रिया के लिए जमानत की अर्जी दी थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

एनसीबी मुंबई के जोनल हेड समीर वानखेड़े रिया को जेल होने के बाद मीडिया से बात की। उन्होंने सिर्फ दो लाइन में जवाब दिया कि कोर्ट ने रिया चक्रवर्ती को 22 सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, मंगलवार की रात रिया चक्रवर्ती को एनीसबी दफ्तर में ही रखा जा रहा है। बुधवार की सुबह उन्हें जेल भेज दिया जाएगा।

न्यायिक प्रक्रिया के तहत पहले रिया की ज्यूडिशियल कस्टडी पर कोर्ट ने फैसला सुनाया। इसमें रिया को 14 दिनों तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया। जबकि रिया के वकील सतीश मानशिंदे की ओर से दाखिल जमानत की याचिका पर बाद में सुनवाई हुई। बाद में कोर्ट ने जमानत की याचिका खारिज कर दी। कोर्ट के सामने एनसीबी ने रिया की जमानत का विरोध किया। मंगलवार की रात अब रिया को जेल भी नहीं भेजा गया क?योंकि सूर्यास्त के बाद कैदियों की गिनती और उन्हें बैरक में भेजे जाने के बाद जेल में एंट्री बंद हो जाती है। ऐसे में रिया को एनसीबी दफ्तर में ही रातभर रुकना पड़ा जहां से सुबह उन्हें जेल भेजा जाएगा।

आजम खान को हाईकोर्ट से मिली राहत

प्रयागराज। सपा नेता और पूर्व मंत्री मो. आजम खां की पत्नी डॉ. तंजीम फामिता के नाम से बने से रामपुर में बने रिसार्ट के ध्वस्तीकरण पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने याची को दो सप्ताह के भीतर ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ विभागीय अपील दाखिल करने और संबंधित प्राधिकारी को चार सप्ताह में अपील का निस्तारण करने का आदेश दिया है। इस दौरान ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं की जाएगी। रामपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 27 अगस्त 2020 को जारी ध्वस्तीकरण नोटिस को डा. तंजीम फातिमा ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चुनौती दी थी। याचिका पर न्यायमूर्ति शशिकांत गुप्ता और न्यायमूर्ति पीयूष अग्रवाल की पीठ ने सुनवाई की। रामपुर विकास प्राधिकरण और प्रदेश सरकार के अधिवक्ताओं ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याची के पास अर्बन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट के तहत ध्वस्तीकरण आदेश के खिलाफ अपील दाखिल करने का विकल्प मौजूद है। मगर ऐसा न करके उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। यह याचिका पोषणीय नहीं है। इसके विरोध में तंजीम फातिमा के वकील सफदर अली काजमी का कहना था कि दो सप्ताह के भीतर अपील दाखिल कर दी जाएगी। तब तक ध्वस्तीकरण की कार्यवाही पर रोक लगाई जाए और एक निश्चित अवधि के भीतर अपील के निस्तारण का आदेश दिया जाए।

भारतीय चौकी के पास रॉड और धारदार हथियारों से लैस होकर आए थे चीनी सैनिक, खतरनाक थे इरादे

करीब 50 चीनी सैनिक हथियारों से लैस होकर रेजांग ला के पास उन चोटियों पर आने की कोशिश कर थे जिन पर भारतीय सैनिक तैनात हैं

नई दिल्ली, एएनआइ। पूर्वी लद्दाख में सोमवार को गलवान घाटी जैसे कहानी को दोहराने की चीन की कोशिशों को भातीय सैनिकों ने नाकाम कर दिया था। रेजांग ला के उत्तर स्थित मुखपुरी में धारदार हथियारों से लैस करीब 50 चीनी सैनिकों ने भारतीय इलाके में चोटी पर कब्जा करने की कोशिश की थी, जिस पर भारतीय सैनिकों ने हवा में फायरिंग कर उन्हें आगाह करने के बाद उन्हें वापस लौटने को मजबूर कर दिया।

इस बारे में चीन ने फिर झूठी कहानी गढ़ते हुए कहा था कि उसके सैनिक बातचीत के लिए गए थे और भारतीय सैनिकों ने उकसावे की कार्रवाई की है। वहीं दूसरी तरफ अब ऐसी तस्वीरें आई हैं जो न केवल चीन के झूठ का पर्दा उठाती हैं बल्कि उनके खतरनाक मंसूबों का इजहार करती है। चीन की इन हरकतों को एलएसी पर तनाव बढ़ाने और भड़काने वाली कार्रवाई बताते हुए भारत ने हा कि चीनी सैनिकों ने भारतीय सैनिकों को उनकी पोजीशन चौकी से हटाने की नीयत से यह हरकत की। भारतीय सैनिकों की ओर से कोई फायरिंग नहीं की गई। चीन के झूठे दावों को खारिज करते हुए भारत ने साफ कहा कि चीनी सेना पीएलए (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की भड़काने वाली हरकतों के बावजूद भारतीय सेना ने बेहद संयम और दृढ़ता दिखाई।

सोमवार को जारी की गई तस्वीरों में दिख रहा है कि सोमवार को करीब 50 चीनी सैनिक हथियारों से लैस होकर रेजांग ला के पास उन चोटियों पर आने की कोशिश कर थे, जिन पर भारतीय सैनिक तैनात हैं। तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि चीनी सैनिकों के पास धारदार हथियार है। वे भारतीय सैनिकों से महज 200 मीटर की दूरी पर हैं। 14-15 जून को गलवान घाटी में जिस तरह उन्होंने भारतीय सैनिकों पर धारदार हथियारों और कील लगे डंडों से हमला किया था, वैसे ही कहानी दोहराने के लिए वे तैयारी के साथ आए थे। चीनी सैनिक भारतीय चोटियों पर कब्जे की फिराक में थे। ये चोटियां रणनीतिक स्तर पर काफी अहम मानी जाती हैं। चीनी सैनिकों ने 10-15 राउंड फायरिंग भी की थी, लेकिन भारतीय सैनिकों ने उन्हें वापस लौटने के लिए मजबूर कर दिया। 45 साल बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गोली चली थी।

चीन के सैनिकों के पास जो हथियार दिखाई दे रहा है, उसे गुआंडाओ कहा जाता है। उनका इस्तेमाल आम तौर पर चीनी मार्शल आर्ट में किया जाता है। इसमें एक 5-6 फीट लंबे पोल पर ब्लेड लगी होती है। यह ब्लेड एक तरफ पीछे की तरफ भी मुड़ी होती है। यह भारतीय हथियार बर्छी से मिलता जुलता है। इसे बर्छी और भाले का संयुक्त रूप कहा जा सकता है।

पैंगोंग झील के दक्षिण किनारे पिछले तीन दिनों से चीनी सेना भारत की फॉरवर्ड पोजिशन के नजदीक आने की कोशिश कर रही है। अभी भी रेजांग ला के पास की चोटियों के करीब भारत और चीन के सैनिक आमने-सामने हैं। मौके पर तनाव चरम पर है। भारतीय सैनिक पीपुल?स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की किसी भी चुनौती का जवाब देने के लिए तैयार है।

चीन को सख्त संदेश देते हुए सेना ने उसे भड़काने वाली हरकतों से बाज आने को कहा। साथ ही दो टूक कहा कि भारतीय सेना शांति और विश्वास बहाली के लिए प्रतिबद्ध है मगर देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए भी वह दृढ़ निश्चयी है। सेना ने कहा कि चीनी सेना लगातार समझौते का उल्लंघन कर आक्रामक हरकतें कर रही है। वह भी तब जब सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर गतिरोध को लेकर बातचीत हो रही है।

तबीयत में सुधार के बाद अचानक हो रही कोरोना मरीजों की मौत

इंदौर, राज्य ब्यूरो। तबीयत में सुधार के बावजूद अस्पताल में भर्ती कोरोना संक्रमित मरीजों की अचानक मौत हो रही है। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में ऐसे कुछ मामले सामने आए हैं, जिनमें स्वस्थ होते-होते मरीजों की जान चली गई है। कोरोना के इस बदलते रूप से डॉक्टर भी हैरान हैं।

डॉक्टरों के अनुसार कोरोना की वजह से शरीर में कई बार खून के थक्के बनने लगते हैं। ये थक्के फेफड़ों में जम जाते हैं। यह प्रक्रिया इतनी तेजी से होती है कि कोई कुछ समझे, उसके पहले ही खून के थक्के श्वसन तंत्र को जाम कर देते हैं। ऐसा लगता है कि ये मौतें हार्ट अटैक से हुई है, लेकिन ऐसा नहीं है। श्वसन तंत्र के जाम होते ही मरीज की सांसें उखड़ने लगती हैं और कुछ ही मिनट में वह दम तोड़ देता है।

अरबिंदो अस्पताल के पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. रवि डोसी के मुताबिक इस समस्या से निपटने के लिए ही मरीज के भर्ती होने के पहले दिन से उसे ऐसी दवाइयां दी जाती हैं, जिनसे खून पतला होता है। इससे थक्का नहीं जम पाता है। बावजूद इसके कुछ मरीज ऐसे भी होते हैं, जिनमें खून पतला करने की दवाइयां असर नहीं करतीं। एमआरटीबी अस्पताल के प्रभारी और एमजीएम मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. सलिल भार्गव के मुताबिक उक्त समस्या को पल्मोनरी इंबोलिज्म कहा जाता है। इसमें कई बार ऐसा होता है कि खून के थक्के फेफड़ों को जाम कर देते हैं। मरीज कुछ बता नहीं पाता और उसकी मौत हो जाती है।

कोरोना संक्रमित होने के बाद 67 वर्षीय एक बुजुर्ग को बड़वानी से लाकर इंदौर के एमटीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक स्थिति नियंत्रित थी। मरीज में ऑक्सीजन का स्तर भी 90 से ऊपर था। रात करीब आठ बजे स्वजन ने मरीज से फोन पर बात की तो उन्होंने बताया कि उन्हें बेहतर लग रहा है। घंटेभर बाद ही स्वजन को अस्पताल से सूचना मिली कि मरीज की अचानक मौत हो गई है।

शाजापुर जिले की 52 वर्षीय एक महिला का इलाज इंदौर के अरबिंदो अस्पताल में चल रहा था। मरीज की स्थिति में सुधार हो रहा था। स्वजन भी डॉक्टर से फोन पर मरीज की स्थिति पता कर रहे थे। डॉक्टरों के मुताबिक सब कुछ ठीक था कि अचानक महिला की तबीयत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई। यह सामान्य समस्या है, लेकिन कोरोना के मरीजों में यह परेशानी ज्यादा देखी जा रही है। इसका सबसे सही तरीका है कि जैसे ही मरीज अस्पताल में भर्ती हो तो उसे रक्त पतला करने वाली दवाई का इंजेक्शन दिया जाना चाहिए। अचानक थक्का जमने की स्थिति तो नहीं बन रही है, यह जांचने के लिए डी डायमर टेस्ट भी समय-समय पर करवाया जाना चाहिए- डॉ. मनीष नीमा, हेमेटोलॉजिस्ट, इंदौर।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज बुधवार, 9 सितम्बर, 2020

पुलिस की मिलीभगत से पट्टे की जमीन पर दबंग कर रहे कब्जा, एसडीएम से शिकायत

करछना। तहसील क्षेत्र के माही गांव के ननकऊ व राजू को आवासीय पट्टा मिला था जिसपर मकान बनाकर रह रहे हैएबारिश मे कच्चा मकान ढह जाने पर पुनः निर्माण करा रहे थे जिसपर गांव के ही कुछ दबंग लोग कौधियारा पुलिस की मिलीभगत से कब्जा कर रहे है। मना करने पर धमकी दे रहे है। जिसकी शिकायत कौधियारा पुलिस से किया तो पुलिस ने उल्टा शिकायतकर्ता को ही लॉकअप मे डाल दिया और पुलिस कर्मियो द्वारा लेनदेन करके रात मे ही छोड़ दिया गया। थाने से छूटने क बाद पीडित उपजिलाधिकारी करछना से मामले की दबंगो के खिलाफ शिकायत कीएजिसपर मामले को गभीरता से लेते हुए एसडीएम ने हल्का लेखपाल को जाच करने का आदेश देते हुए कौधियारा पुलिस को फटकार लगाई।

जसरा में 6 कोरोना पाजटिव मिले, हड़कंप

जसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कोरोना जांच कराने पहुंची महिलाएं

जसरा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा में आरटी पीसीआर जांच के बाद 6 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई । सभी को शहर के कोविड अस्पताल भेज दिया गया है।

सीएचसी जसरा में हुए आरटी पीसीआर जांच की रिपोर्ट में दो गांवों की आशा व एक अन्य गांव की आशा का देवर, बारा खास की एक मुस्लिम महिला, टिकरी तालुका कंजासा का एक व्यक्ति, चिल्ला गांव की एक महिला की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने के बाद सीएचसी अधीक्षक जसरा डा०तरुण पाठक ने सभी 6 मरीजों में एक को एसआरएन व अन्य पांच को कोविड सेन्टर कालिन्दीपुरम में भर्ती करा दिया है।

जसरा स्थित मेडिकल स्टोर संचालक की कोरोना पॉजिटिव पत्नी को होम क्वॉरेंटाइन किए जाने पर उठ रहा सवाल

जसरा। जसरा स्थित एक मेडिकल स्टोर संचालक की पत्नी तीन दिन पूर्व कोरोना पॉजिटिव पाई गई। इसके बाद स्वास्थ्य केंद्र की ओर से उस महिला को होम क्वॉरेंटाइन किए जाने पर स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के जसरा बीच बाजार में एक मेडिकल स्टोर संचालक की पत्नी तीन दिन पूर्व कोरोना पॉजिटिव पाई गई । इसके बाद स्थानीय प्रशासन द्वारा उसे होम क्वारंटीन किया गया। होम क्वारंटीन किए जाने पर स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं । लोगों का कहना है कि मेडिकल स्टोर संचालक अपनी दवा की दुकान सोमवार को खोलकर मरीजों को दवा दे रहा था । लोगों के विरोध के बाद दुकान को बंद कर दिया। वहीं घर में रहने वाले अन्य सदस्यों की भी जांच नहीं की गई तथा अपने घर के बाहर स्थित अपनी अन्य दुकान खोलकर दुकानदारी कर रहे हैं। जिससे होम क्वॉरेंटीन हुई महिला व घर में रहने वाले सदस्यों पर लोग तरह तरह के सवाल खड़े कर रहे हैं तथा वैश्विक महामारी फैलाने की बात भी कर रहे हैं।

समाजवादियों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर रखा दो मिनट का मौन

फूलपुर। नगर पंचायत फूलपुर के शेखपुर उत्तरी निवासी समाजवादी युवजन सभा के निवर्तमान विधानसभा अध्यक्ष कुमार मंगल के आवास पर मंगलवार को एक श्रृद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। जिसमें समाजवादियों ने नम्र आंखों से जमुना प्रसाद बोस जी एवं एस आर एस यादव को श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। समाजवादी नेता सोनू पांडे ने कहा कि एस आर एस यादव बाबूजी औरजमुना प्रसाद बोस का अचानक इस तरह से जाना समाजवादियों के लिए अत्यंत दुखद हैं जिसकी भरपाई नही की जा सकती। बैठक की अध्यक्षता सेक्टर प्रभारी सैयद सोहेल अहमद ने किया। समाजवादी युवजन सभा के निवर्तमान विधानसभा अध्यक्ष कुमार मंगल में कहा कि एस आर एस यादव ने पार्टी में अथक परिश्रम कर संगठन को एक गति प्रदान करने का काम किया। इस दौरान प्रशांत यदुवंशी, विवेक यादव एटीएम ,अमर सिंह यादव बबलू यादव शाहबाज अहमद, ओसामा इदरीसी, शेरखान आदि लोग मौजूद रहे।

साढ़े सात लाख रुपये के विवाद में गोली चलने से अधिवक्ता घायल, हिरासत में आरोपित

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र के मेहदौरी मोड़ के पास मंगलवार की शाम को एक अधिवक्ता गोली लगने से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की वजह नौकरी दिलाने के लिए साढ़े सात लाख रुपये का विवाद बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। शिवकुटी के मेहदौरी निवासी अकरम फैसल जनपद न्यायालय में वकालत करते है।कार सवार दो व्यक्ति मंगलवार की दोपहर को अधिवक्ता के घर गए थे। जहां साढ़े सात लाख रुपये के लेनदेन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। विवाद के दौरान गोली चलने से अधिवक्ता अकरम फैसल घायल हो गया। वारदात की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना पर सक्रिय हुई पुलिस ने गोली मारकर भाग रहे आरोपितों को अतिशीघ्र कीडगंज थाना क्षेत्र से हिरासत में ले लिया। उधर गोली से घायल अधिवक्ता को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। दिनदहाड़े हुई फायरिंग की सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह मौके पर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दिया। पुलिस मामला संदिग्ध होने की वजह से फॉरेंसिक टीम को जांच के लिए मौके पर बुला लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह ने बताया नौकरी दिलाने के लिए साढ़े सात लाख रुपये के लेनदेन का मामला प्रकाश में आया है। मामले की जांच जारी है। वारदात के आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। कार से एक तमंचा भी पुलिस टीम ने बरामद किया है।

मिट्टी लदे ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर चालक की मौत

परिजनों में मचा कोहराम आरोपी चालक के खिलाफ दी गई तहरीर

नैनी। नैनी कोतवाली व औधोगिक क्षेत्र बॉर्डर के तहत देवरख गांव के सामने मंगलवार को एक मिट्टी से लदे ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर एक चालक की मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मचा रहा। वहीं दुर्घटना के बाद चालक ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर फरार हो गया। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस को तहरीर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के भरौंवा गांव निवासी इंद्रजीत भारतीया (25) उर्फ नन्हू पुत्र राजा राम दो भाइयों में छोटा था और उसके माता पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। इंद्रजीत पहले विक्रम चलाकर वह अपने भाई व सबसे छोटी बहन का पालन पोषण करता था। लाक डाउन लगने के बाद वह मेहनत मजदूरी कर परिजनों का पालन पोषण करने लगा। मंगलवार सुबह वह अरैल गांव की ओर किसी कार्य हेतु गया हुआ था। जैसे ही वह साइकिल पर सवार होकर नैनी कोतवाली व औधोगिक क्षेत्र बार्डर देवरख गांव के सामने एक स्कूल के निकट पहुंचा, तभी कछार से एक ट्रैक्टर ट्राली पर मिट्टी लाद कर चालक नैनी की ओर लेकर जा रहा था।बताया जाता है कि वाहन की गति अत्याधिक तेज होने की वजह से वह साइकिल सवार इंद्रजीत उर्फ नन्हू को रौंदाता हुआ मौके से फरार हो गया। कुछ लोगों ने घटित दुर्घटना की सूचना इंद्रजीत के घर वालों को दी और आनन-फानन में उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले जा रहे थे। अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही रास्ते में ही वह दम तोड़ दिया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को घर पर उठा लाए। वहीं परिजन नैनी कोतवाली पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पहुंचे। जहां पर औद्योगिक क्षेत्र से संबंधित दुर्घटना को बताकर पुलिस पल्ला झाड़ लिए और औधोगिक क्षेत्र थानें पर भेज दिए। हालांकि रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए परिजन पुलिस को तहरीर दी है।

मृतक की फाइल फोटो

जारी है मिट्टी खनन का कार्य

नैनी। बता दें कि जिस स्थान पर दुर्घटना घटित हुई है। वहां से महज कुछ दूरी पर स्थित नैनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कछार से बीते तीन हफ्तों से लगातार दिन-रात मिट्टी खनन का कार्य बड़ी जोरों पर जारी है। समाचार लिखें जाने तक दुर्घटना घटित होने के बाद मिट्टी खनन से जुड़े लोग व आरोपी चालक पक्ष की ओर से मृतक के परिजनों से तहरीर वापस लेने के लिए लगातार दबाव बनाने में जुटे हुए थे।

सीसीटीवी फुटेज

रिटायर्ड दारोगा की बाइक से रुपये भरा बैग ले उड़े चोर घटना सीसीटीवी में कैद

प्रयागराज । मेजा रोड बाजार में चोरों का आतंक फैला हुआ है। आए दिन कोई न कोई वारदात चोर अंजाम दे दे रहे हैं। आपको बता दें कि एक रिटायर्ड दारोगा की मेजारोड बाजार स्थित मिजार्पुर मार्ग पर किराने की दुकान पर सामान लेने के दौरान दारोगा की बाइक की डिग्गी से 22 हजार रुपये चोरों ने पार कर दिया। जबकि घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी चोरों को तलाश करने में पुलिस विफल रही है। पीड़ित प्रेमचंद शुक्ला रिटायर्ड दारोगा हैं। उनका कहना है कि जब एक पूर्व विभाग के कर्मचारी का नहीं सुना जा रहा है तो एक आम जनमानस का क्या सुना जाएगा।

युवावर्ग ही देश का असली भाग्य विधाता : विमल शुक्ला

करमा। युवा ही देश की असली ताकत हैं कालखण्ड कोई भी रहा हों युवा वर्ग के ही अपार ऊर्जा एवं मेहनत के बल पर ही बड़ी से बड़ी मुश्किलों पर किला फतेह का रास्ता आसान हुआ हैं उक्त ओजस्वी एवम प्रेरणास्पद लाइनें युवा समाजसेवी एवम इंजीनियर विमल शुक्ला पर सटीक साबित हों रहीं हैं। युवा समाजसेवी विमल शुक्ला पिछले महीनों से गंगापार -यमुनापार सहित इलाहाबाद विश्वविद्यालय आदि क्षेत्रों में युवाओं कों बुरी संगतियों, नशा आदि से दूर रहकर समाजहित में कार्य करनें के लिए जागरूक कर रहें हैं। इसी क्रम में विगत पाँच सितंबर से विभिन्न समाजसेवियों, गुरुजनों आदि कों महापुरुषों की प्रतिमाएं भेंट करके युवावर्ग के उत्थान में सहयोग एवम मार्गदर्शन की अपील भी कर रहें । उक्त नेक कार्य वह अपने पिता जी कों साथ लेकर संचालित कर रहें हैं। श्री शुक्ल का कहना हैं कि किसी भी देश का संपूर्ण विकास उक्त राष्ट्र के युवा वर्ग पर निर्भर करता हैं इसीलिए वह युवाओं कों सन्मार्ग पर लाने की मुहिम चला रहें हैं जिसमें उन्हें विभिन्न समाजसेवियों सहित वरिष्ठ अध्यापकों का भी साथ मिल रहा हैं।

मुंशी अपहरण कांड के आरोपियों के खिलाफ नैनी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज

फालोअप

नैनी। मुंशी अपहरण कांड के आरोपियों के खिलाफ मंगलवार को पुलिस ने विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बताया जाता है कि अपहरणकताओं को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ करने में जुटी हुई है।

बता दें कि औधोगिक क्षेत्र स्थित चक पुरे खुर्द, रेही कला गांव निवासी राजेश कुमार श्रीवास्तव (50) पुत्र संतोष कुमार श्रीवास्तव एक ईंट भट्ठे पर बतामौर मुंशी पद पर कार्य करते हैं। प्रतिदिन की तरह सोमवार सुबह लगभग 8:30 बजे वह भट्ठे पर पहुंचे और दोपहर नैनी से वापस लौट रहे थे। रास्ते में कार सवार शातिरों ने अपहरण कर चित्रकूट जिला के बरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित जंगल उठा ले गए। जहां पहले बदमाशों ने उसके गले पर धारदार हथियार से वार कर दिए और बाद में पहचान छुपाने के लिए उसके ऊपर तेजाब फेंक दिए। उसे मरा समझकर कार सवार वहां से फरार हो गए। सूचना मिलने पर चित्रकूट की पुलिस मौके पर पहुंची और आनन-फानन में उसे इलाज हेतु गंभीर हालत में एसआरएन हॉस्पिटल में दाखिल कराया। परिजन की तहरीर मिलने पर नैनी पुलिस ने अपहरणकताओं के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आरोप है कि नई बाजार निवासी ज्ञान प्रकाश मिश्रा व उनके पुत्र आलोक मिश्र ने राजेश कुमार श्रीवास्तव से तीन लाख रुपए कर्ज के रूप में लिए थे और एक माह में वापस करने का वादा किया था। एक माह बीतने के बाद जब भुक्तभोगी ने दिए गए उधार रुपए वापस मांगे तो पिता पुत्र हीला हवाली करने लगे। तहरीर के आधार पर पिता-पुत्र समेत दो अज्ञात के खिलाफ नैनी कोतवाली में धारा 147, 364, 395, 307, 326ए, 504 व 506 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है। बताया जाता है कि पुलिस ने अपहरणकताओं समेत तीन लोगों को हिरासत में लेकर आरोपियों के निशान देही पर उक्त कार को भी बरामद कर चुकी है। जिसका खुलासा जल्द ही पुलिस कर सकती है।

भारी संख्या में ब्रांडेड शराब की बोतलों की ढक्कन और क्यू आर कोड का रैपर सहित एक गिरफ्तार

घूरपुर। आबकारी व पुलिस की सयुक्त टीम ने घूरपुर के गौहनिया से भारी संख्या में ब्रांडेड शराब की बोतलों की ढक्कन और क्यू आर की रैपर सहित बाइक से ले जा रहे एक तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

मुखबिर की सूचना पर करछना आबकारी निरीक्षक रोहन कुमार व एसओ घूरपुर भुवनेश कुमार चौबे संयुक्त टीम बना मंगलवार की दोपहर गौहनिया बाई पास के पास घेराबंदी कर बाइक को रोक लिया और तलाशी लेने पर ब्रांडेड कंपनियों के बोतलों की नकली 990 ढक्कन और 1450 नकली क्यू आर की रैपर बरामद किया। पूछताछ में उसने अपना नाम धीरज जायसवाल पुत्र शिव चंद्र जायसवाल निवासी टिकरी बभनी हेठार थाना मांडा प्रयागराज बताया। पुलिस ने केस दर्ज कर जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि उपयोग की गई शराब की खाली बोतलों में नकली शराब भर कर ग्राहकों को बेचने में इस्तेमाल करते थे। इससे जुड़े अन्य इसके साथियों की भी पुलिस तलाश कर रही। पूछताछ में कई लोगों का नाम सामने आया है।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी

सपा नेता के निधन पर हुई शोक सभा

कोरांव। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राष्ट्रीय कार्यालय प्रभारी एसआरएस बाबू सदस्य विधान परिषद उत्तर प्रदेश का कोरोना से संक्रमित होने पर निधन हो जाने से सपाइयों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है प्रदेश भर में श्रद्धांजली देने वालो का तांता लगा हुआ है इसी क्रम में कोरांव पार्टी कार्यालय में भी सपाइयों ने एक शोक सभा का आयोजन करते हुए श्रद्धांजलि दिया। उल्लेखनीय है कि सपा नेता एस आर एस बाबू के निधन होने पर दिन मंगलवार को पार्टी कार्यालय कोरांव में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एक शोक सभा का आयोजन किया जिसमें उनके तस्वीर पर माल्यर्पण करते हुए दो मिनट का मौन रख कर शोक संवेदना व्यक्त किया।

इस मौके निवर्तमान विधानसभा अध्यक्ष ललन सिंह पटेल ने कहा कि एस आर एस बाबू हमेशा शोषितो और वंचितों की आवाज सदन में जोर शोर से उठाते थे और पार्टी कार्यकताओं का बढ़ चढ़ कर समर्थन करते थे। राजेश पांडेय निवर्तमान विधानसभा सचिव समाजवादी पार्टी ने सभा को संबोधित करते है कहा कि बाबू जी का असमय चले जाना समाजवादियों के लिए अपूर्णीय क्षति है और उनके योगदान को कभी भुलाया नही जा सकता उनका जीवन संघर्ष नए कार्यकर्ताओं के लिए एक नसीहत देने का काम करेगी।

विधानसभा अध्यक्ष अल्पसंख्यक सभा शहादत अली ने कहा कि एस आर एस बाबू एक जुझारू और सरल व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे और उनका यू चले जाने से समाजवादियों को गहरा आघात पहुँचा है। उक्त मौके पर मुख्य रूप से मेहताब खान पूर्व नगर प्रभारी समाजवादी कोरांव, रामनुज यादव पूर्व ब्लाक प्रमुख, नौशाद अंसारी, मंगला कोल आदि लोग उपस्थित रहे।

शोक संवेदना व्यकत करते सपाई

कोरांव विधायक ने मृतकों के घर पहुंच जताई शोक संवेदना बंधाया ढाढ़स

कोरांव। प्रयागराज कोरांव विधायक ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के कपासी कला व चपरो गांव में मृतक हुए लोगों के घर पहुंच कर शोक संवेदना जताई। साथ ही परिवारीजनों को ढांढस बंधाया। कोरांव विधायक ने सर्वप्रथम कपासी कला गांव के राम लल्लू धरकार के घर के घर पहुंच कर शोक संवेदना जताई और परिवारीजनों को ढाढ़स बधाया। इसी प्रकार विधायक ने चपरो गांव के पूर्व प्रधान चंद्रिका प्रसाद तिवारी की हुई आकस्मिक मौत पर उनके घर पहुंचकर शोक संवेदना जताई, और परिवारीजनों को ढाढस बंधाया। इसी प्रकार विधायक व चेयरमैन कोरांव नरसिंह कुमार केसरी नगर पंचायत के शिव कैलाश केसरी के निधन पर उनके घर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। साथ ही सभी मृतकों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना भी की। इस दौरान विधायक के साथ प्रमुख रूप से भारतीय किसान संघ के प्रांत उपाध्यक्ष भोला सिंह मुन्ना, कमलेश शुक्ला, विधायक पीआरओ रामाश्रय शुक्ल सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। विधायक ने सभी मृतकों के परिजनों को ढाढस बंधाते हुए राम लल्लू के क्रिया कर्म के लिए परिजनों को आर्थिक सहायता भी दी।

हाईकोर्ट समाचार

सहायक सालीसिटर जनरल ज्ञान प्रकाश का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए बढ़ा

प्रयागराज। राष्ट्रपति ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में केन्द्र सरकार के सहायक सालीसिटर जनरल व वरिष्ठ अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश का कार्यकाल अगले तीन साल के लिए बढ़ा दिया है। यह 29 अगस्त 20 से लागू होगा। इस आशय की अधिसूचना केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय से जारी की गई है। ज्ञान प्रकाश 2014 से केन्द्र सरकार के इलाहाबाद हाईकोर्ट में सहायक सालीसिटर जनरल पद पर कार्यरत हैं।

फर्जी दस्तावेज से डाक विभाग में नौकरी हासिल करने वालों की जमानत अर्जी खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी अंकपत्र से षडयंत्र कर डाक विभाग मुरादाबाद में सरकारी नौकरी हासिल करने के आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। कोर्ट ने सजा के खिलाफ इनकी आपराधिक अपील को सुनवाई के लिए 8 अक्तूबर को पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने महानिबंधक कार्यालय को तीन माह में पेपर बुक तैयार करने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल ने धर्मवीर सिंह व अन्य आरोपियों की अपील पर दाखिल जमानत अर्जी की सुनवाई करते हुए दिया है। अर्जी पर वरिष्ठ अधिवक्ता जी.एस चतुर्वेदी, वरिष्ठ अधिवक्ता वी.पी श्रीवास्तव व सीबीआई के वरिष्ठ अधिवक्ता सहायक सालीसिटर जनरल ज्ञान प्रकाश व संजय कुमार यादव ने बहस की। अपीलार्थियों को सीबीआई कोर्ट गाजियाबाद ने धोखाधड़ी, कूटरचना, षडयंत्र के आरोप में सात साल की कैद व 7 हजार जुमार्ने की सजा सुनाई है। अन्य आरोपों में 4 साल व 2 साल की सजा व 2 हजार जुमार्ना लगाया है। सभी सजा एक साथ चलेगी। सभी आरोपी 17 नवंबर 17 से सजा के दिन से जेल में हैं। वीरेन्द्र सिंह, सुन्दर लाल, सुरेन्द्र सिंह, रोशन लाल, राज बहादुर को 1992-93 में डाक सहायक बद्री प्रसाद की मिलीभगत से नौकरी हासिल करने का आरोप है। नियुक्ति शैक्षिक अंकों के आधार पर की जानी थी। फर्जी मार्कशीट पेश कर नियुक्ति करा ली गयी थी। मामले की जांच सीबीआई ने की और चार्जशीट दाखिल की। मामले की सुनवाई के बाद सीबीआई कोर्ट ने सभी अपीलार्थियों को दोषी करार दिया और सजा सुनाई है। जिसे अपील मे चुनौती दी गयी है।

खुली अदालत में आदेश की अनदेखी पड़ी भारी महिला पुलिस निलंबित

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा खुली अदालत में गोल्डी कुमारी को अपने पति के साथ जाने की छूट के आदेश की अवहेलना कर नारी निकेतन में रखना महिला पुलिस को महंगा पड़ा। कोर्ट में पेशी के लिए लायी पुलिस ने कोर्ट आदेश की प्रति न मिलने के कारण याची को उसकी मर्जी से पति के साथ जाने देने के बजाय नारी निकेतन, मऊ में रहने को मजबूर कर दिया। कोर्ट ने पुलिस की मौजूदगी में याची की अवैध निरूद्धि से मुक्त कर उसकी इच्छा से पति के साथ जाने की छूट दे दी थी। आदेश अपलोड नहीं हो सका तो पुलिस ने कोर्ट आदेश की अनदेखी कर अवहेलना कर दी। इस अवैध निरूद्धि के खिलाफ याची ने फिर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो पुलिस को गलती का अहसास हुआ और याची को तुरंत उसके पति के घर बलिया पहुंचाया गया और महिला पुलिस अनीता को निलंबित कर जांच बैठाने की सूचना कोर्ट को दी गयी। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया है और एसपी मऊ को अवैध निरूद्धि के घटनाक्रम के ब्योरे के साथ 9 सितंबर को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि यदि हलफनामा दाखिल नहीं करते तो वह स्वयं कोर्ट में हाजिर हो। केस की अगली सुनवाई 9 सितंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने गोल्डी व सूरज की बंदीप्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता आनंद कुमार पांडेय ने बहस की। याचीगण की याचिका पर कोर्ट ने याची गोल्डी को पेश करने का निर्देश दिया। पुलिस लाइन मऊ की कांसटेबल अनीता गोल्डी को लेकर कोर्ट में आयी। कोर्ट ने लड़की का बयान दर्ज किया। बालिग होने के नाते कोर्ट ने लड़की याची को अपनी मर्जी से पति के साथ जाने की छूट दी। खुली अदालत में फैसला सुना दिया गया। आदेश अपलोड नहीं किया जा सका तो पुलिस ने याची को बुलाया और नारी निकेतन मऊ में रहने को मजबूर किया। कहा आदेश मिलने पर वह जा सकेगी। इस पर कोर्ट मे अर्जी दी गयी और कोर्ट से अवैध निरूद्धि के खिलाफ गुहार लगाई गई। अर्जी की सुनवाई से पहले ही शासकीय अधिवक्ता ने कार्यवाई कर कोर्ट को जानकारी दी। जिस पर कोर्ट ने एसपी से हलफनामा मांगा है।

बलिया में गोंड एसटी या ओबीसी हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गोंड या गौंड के एसटी या ओबीसी वर्ग का होने के मामले में प्रदेश सरकार और अन्य विपक्षियों से जवाब मांगा है। इस मामले को लेकर दाखिल उमाशंकर राम की याचिका में मंडलीय जाति समीक्षा समिति के 29 जून 2020 के आदेश को चुनौती दी गई है। कहा गया है कि गोंड अनुसूचित जनजाति वर्ग के हैं, जबकि मंडलीय समिति ने इसे अन्य पिछड़ा वर्ग माना है। याचिका पर सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने चार सप्ताह में इस मामले में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। याची के खिलाफ बलिया के सुभाष चंद्र तिवारी ने जिला स्तरीय जाति समीक्षा समिति के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने एक सिविल सूट भी दाखिल किया जो अभी लंबित है। जिला स्तरीय समिति ने याची के जाति प्रमाणपत्र को सही करार देते हुए गोंड को अनुसूचित जनजाति का बताया गया। शिकायतकर्ता के वकील निर्भय भारती गिरी का कहना था कि बलिया में अनुसूचित जनजाति नहीं है। वास्तव में यह गोंड यानी भुजवां जाति के हैं जो ओबीसी में आती है। जिला स्तरीय समिति के आदेश को मंडलीय समिति में चुनौती दी गई। मंडलीय समिति ने जिला समिति के निर्णय को गलत करार देते हुए रद्द कर दिया और कहा कि याची गोंड यानी भुजवां जाति का है जो ओबीसी में दर्ज है। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए प्रदेश सरकार और शिकायत कर्ता के वकील को चार सप्ताह में जवाब दाखिल का निर्देश दिया है।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

बेटियों का न करें तिरस्कार, बेटियाँ ही जीवनाधार : श्रीमती ऋतु सिंह

करमा। स्त्री अपने सम्पूर्ण जीवन मयार्दाओं में रहते हुए माँ, पत्नी, बहन आदि रिश्तों कों निभातें हुए समाज एवम राष्ट्र के प्रगति में अपना योगदान देती हैं । आज विभिन्न त्याग एवम बलिदान के फलस्वरूप भी स्त्री विभिन्न अपमान एवं प्रताड़ना की भागी बन रही हैं जिसको किसी भी रूप में सहन करना मुश्किल हैं इसलिए सभी बहनों से आग्रह हैं कि आने वालें कल एवम अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए बेटियों का पढ़ना बहुत आवश्यक हैं उक्त बातें वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती ऋतु नें सोमवार कों वर्चुअल मीटिंग में छात्राओं के संबोधन में व्यक्त की आगे उन्होने दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराई पर भी प्रहार करतें हुए खत्म करनें की भी पहल की। वर्चुअल मीटिंग में फूलपुर, सैदाबाद, करमा, घूरपुर आदि क्षेत्रों से विभिन्न गाँवों की छात्राएं सम्मिलित रहीं ।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने एसएसपी प्रयागराज को किया निलम्बित

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था के मामले में जरा सी भी लापरवाही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बर्दाश्त नहीं है। प्रयागराज में अपराध नियंत्रण के साथ ही कानून व्यवस्था बनाने में भी फेल साबित होने वाले एसएसपी अभिषेक दीक्षित को सीएम योगी आदित्यनाथ ने निलम्बित कर दिया है। निलम्बन की अवधि में अभिषेक दीक्षित डीजीपी कार्यालय से अटैच रहेंगे।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर निलम्बित होने वाले आइपीएस अधिकारी अभिषेक दीक्षित के बारे में गृह विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अभिषेक दीक्षित पर प्रयागराज के एसएसपी के रूप में तैनाती की अवधि में अनियमित्ताएं करने के साथ शासन के निदेर्शों का अनुपालन सही ढंग से नहीं करने का आरोप है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। उन पर अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था में शिथिलता व भ्रष्टाचार आदि के गंभीर आरोप हैं। उन पर पोस्टिंग में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का भी गंभीर आरोप है। शासन एवं मुख्यालय के निदेर्शों के अनुरूप नियमित रूप से फुट पेट्रोलिंग के साथ बैंक व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। इसके साथ ही प्रयागराज में बाइकर्स गैंग की बढ़ती घटनाओं की रोकथाम में भी एसएस की कार्रवाई लगभग शून्य के बराबर रही। अभिषेक दीक्षित पर प्रयागराज जैसे बड़े जिले में चेकिंग व पर्यवेक्षण का काम भी सही ढंग से नहीं किया गया। प्रयागराज में तीन माह में लंबित विवेचनाओं में भी निरंतर वृद्धि हुई। इसके साथ कोरोना महामारी के संबंध में भी शासन/मुख्यालय से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के निदेर्शों का सही ढंग से पालन नहीं कराया गया। जिस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी नाराजगी व्यक्त की गई।

माफिया अतीक अहमद से जुड़ी 18 वर्ष पुरानी केस डायरी गायब होने की लापरवाही करने वाली प्रयागराज पुलिस के पुलिस के बचाव में उतरे एसएसपी अभिषेक दीक्षित निपट गए। एक तरफ प्रयागराज पुलिस अहमदाबाद जेल में बंद बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद के अवैध साम्राज्य को ध्वस्त करने में जुटी है, तो वहीं इस बीच खबर है कि माफिया के केस से जुड़ी कई अहम फाइलें धूमनगंज थाने से गायब हो गई हैं। पुलिस के लिए भी अतीक अहमद के खिलाफ दर्ज मुकदमों की गायब केस डायरी अबूझ पहेली बन गई है। ऐसे में खुद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के लिए गायब फाइलों को लेकर कुछ भी बताना मुश्किल हो गया है।

एसएसपी अभिषेक दीक्षित का कहना है कि कई बार वर्षों पुरानी फाइलें थानों में मिस प्लेस हो जाती हैं, लेकिन उसकी कॉपी कोर्ट और सीओ ऑफिस में मौजूद रहती है। जिससे नई केस डायरी रीकन्स्ट्रक्ट की जा सकती है। एसएसपी ने पुलिस कर्मियों का बचाव करते हुए कहा कि केस डायरी गायब होने के मामले में प्रथम दृष्टया पुलिसकर्मियों की कोई लापरवाही नजर नहीं आ रही है, कई बार फाइलें पुरानी हो जाने से भी उन्हें ढूंढ पाना बेहद कठिन हो जाता है। सरकार के सख्त होने पर एसएसपी ने अतीक अहमद के केस में 2002 में दर्ज मुकदमे के दौरान सीओ सिविल लाइन और थानाध्यक्ष रहे पुराने लोगों ने जानकारी जुटाने का प्रयास किया।

प्रयागराज के नए एसएसपी बनाए गए सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी

नये एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी

प्रयागराज। प्रयागराज के एसएसपी अभिषेक दीक्षित के निलंबित होने के बाद प्रयागराज के नए एसएसपी बनाए गए गोरखपुर जनपद के निवासी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी आन्ध्र प्रदेश कैडर के 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, त्रिपाठी नवम्बर 2019 मे डेपुटेशन मे उत्तर प्रदेश आये हैं, अभी तक डीसीपी उत्तरी कमिश्नरेट लखनऊ मे तैनात थे सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी मूलतः गोरखपुर जनपद के निवासी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी आन्ध्र प्रदेश कैडर के 2006 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं,श्री त्रिपाठी नवम्बर 2019 मे डेपुटेशन मे उत्तर प्रदेश आये हैं,अभी तक डीसीपी उत्तरी कमिश्नरेट लखनऊ मे तैनात थे सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी।

मेडिकल पास के नाम पर रूपए वसूलने वाला दीवान गिरफ्तार, एक की तलाश

प्रयागराज। सिपाही भर्ती मेडिकल के लिए चालीस हजार रूपए वसूलने वाले दीवान समेत दो लोगों के खिलाफ कर्नलगंज थाने में भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत सोमवार की रात मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है और दूसरे की तलाश कर रही है। गिरफ्तार आरोपित को न्यायालय भेजा जायेगा।

पुलिस लाइन में इन दिनों सिपाही भर्ती 2018 के अभ्याथियों का मेडिकल परीक्षण किया जा रहा है। सोमवार को पुलिस अधिकारियों को शिकायत मिली कि भर्ती में मेडिकल परीक्षा पास कराने के लिए धन उगाही की जा रही है। मामले को गम्भीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित ने जांच के लिए एएसपी के.वी अशोक को मौके पर भेजा। जहां जांच के दौरान राज खुला कि भर्ती में तैनात पीटीआई बृजेन्द्र सिंह परिहार एवं एक अन्य पैसा ले रहे हैं। फाफामऊ शांतिपुरम के रहने वाले राघवेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि उसने पैसे दिए हैं। एक अभ्यर्थी से 40 हजार रूपए ले लिए। रकम दो बार में पेटीएम के जरिए खातों में भेजी गई।

मामले की जांच के बाद पूरे प्रकरण की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी। अधिकारियों के निर्देश पर इंस्पेक्टर कर्नलगंज अवन कुमार दीक्षित मौके पर पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार कर थाने ले गए। सोमवार रात भर्ती बोर्ड के एसआई बृजेश बहादुर सिंह की तहरीर पर पीटीआई एवं एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। दूसरे आरोपी की तलाश में दबिस दी जा रही है।

भाजपाई रक्तदान, दिव्यांगों को उपकरण वितरण कर मनाएंगे सेवा सप्ताह

बैठक करते भाजपाई

प्रयागराज। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितंबर को 70वां जन्म दिवस है। इसको लेकर मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिला कार्यालय सिविल लाइन्स में भाजपाईयों ने बैठक कर 17 से 20 सितम्बर तक ‘सेवा सप्ताह’ के रूप में मनाने की योजना बनाई।

उक्त जानकारी भाजपा यमुनापार जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने देते हुए बताया कि युवा मोर्चा द्वारा रक्तदान करना, पिछडा मोर्चा द्वारा गरीबों को चश्मा वितरण, महिला मोर्चा द्वारा गरीब बस्ती एवं अस्पतालों मे फल वितरण, किसान मोर्चा द्वारा 70 ग्राम पंचायतों मे पौधे लगाने, आईटी विभाग कोविड-19 से सम्बंधित 70 स्लाईड प्रर्दशनी लगाकर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचारित प्रसारित करने के साथ भाजपा जिला पदाधिकारियों द्वारा 70 सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता व प्लास्टिक मुक्त के संकल्प के साथ 70 दिव्यांगों को विभिन्न उपकरण एवं कृतिम अंग प्रदान करने व प्रधानमंत्रीजी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर बेविनार का आयोजन करने आदि योजना बनाकर मोर्चा कार्यकताओं को अवगत कराया गया।

बैठक में कहा गया कि इसमें जन प्रतिनिधियों की भी सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जय सिंह पटेल, जिला मंत्री प्रकाश शुक्ल प्रचंड, जगदीश सिंह यादव, आशीष मिश्रा, मनोज गुप्ता, सुमित सिंह चैहान, विनोद प्रजापति, हरिदेव धूरिया, कमलेश त्रिपाठी, शिवराम सिंह परिहार, कृष्ण दास गुप्ता, आरती कोल, अनूप केसरवानी, सुरेश शुक्ला, सुभाष सिंह पटेल, आंकाक्षा सोनकर, प्रीतम पांडेय आदि मौजूद रहे।

रेलवे कर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

प्रयागराज। शिवकुटी थाना क्षेत्र के भुलई का पूरा मोहल्ले में मंगलवार दोपहर एक रेलवे कर्मी ने घर के अन्दर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। शिवकुटी के भुलई का पूरा निवासी आशीष कुमार कनौजिया (32) पुत्र हुकुमचन्द्र रेलवे में नौकरी करता था। उसकी पत्नी रेखा एक बेटे के साथ घर का कामकाज देखती है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की सुबह आशीष किसी बात से क्षुब्ध होकर घर के अन्दर पंखे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही परिवार के लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस आत्महत्या की वजह घरेलू कलह मान रही है।

‘रियल मैंगो’ नामक अवैध रेलवे टिकटिंग सॉफ्टवेयर के संचालन में संलिप्त अंतर्राजीय गिरोह के पर्दाफाश में उत्तर मध्य रेलवे की प्रमुख भूमिका

प्रयागराज। दिसंबर 2019 से मार्च 2020 के मध्य रेल सुरक्षा बल द्वारा एक समन्वित राष्ट्रव्यापी कार्रवाई में 104 अपराधियों की गिरफ्तारी की गई ए जिसमें एएनएमएस/लाल मिर्ची / ब्लैक टीएसए टिक्कॉक, आई.बॉल, रेड बुल, मैक, एन.गेट, साइकिल, स्टार वी2 जैसे कई अनाधिकृत सॉफ्टवेयर के संचालकों की धरपकड़ की गई। रेल सुरक्षा बल द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के माध्यम से सीआरआईएस द्वारा पीआरएस सिस्टम में उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं को और मजबूत किया गया और इन गैरकानूनी साफ्टवेयर को बंद किया गया ।

यात्री सेवाओं को फिर से शुरू करने के बाद टिकट दलाली की गतिविधि में वृद्धि की आशंका को देखते हुएए रेल सुरक्षा बल द्वारा इनके खिलाफ गहन अभियान चलाये गये। रेल सुरक्षा बल की फील्ड इकाइयों द्वारा दिनांक 09-08-2020 को टिकट दलालों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही के दौरान को रेयर मैंगो ;बाद में इसका नाम बदलकर रियल मैंगो नामक अनाधिकृत सफ्टवेयर के बारे में जानकारी मिली।

दिनांक 19-08-2020 को रेलवे बोर्ड से एक संदिग्ध मोबाइल नम्बर 6389253402 प्राप्त हुआ ए जिसके विषय में यह आसूचना थी कि उक्त नम्बर का प्रयोग प्रतिबंधित साफ्ट वेयर रेयर मैंगों से ई टिकट बनाने में किया जा रहा है । आसूचना की पुष्टि करने तथा इस पूरे तंत्र में शामिल लोगों की धरपकड़ हेतु प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त उमरे द्वारा वरि० मण्डल सुरक्षा आयुक्त प्रयागराज के निर्देशन में एक तेज तर्रार टीम गठित किया गया । टीम के द्वारा उक्त मोबाइल नम्बर पर दर्ज उपयोगकर्ता के संबंध में जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि यह मोबाइल नम्बर सिराथू कौशाम्बी के किसी महिला के नाम पर दर्ज है । इस विषय में महिला से पूछताछ करने पर उसके द्वारा इस सम्बंध में अनिभिज्ञता जाहिर किया गया । पुनः उक्त नम्बर की लोकेशन सीण्डीण्आरण् आदि से यह ज्ञात हुआ कि उक्त नम्बर कुण्डा बाजार के आस पास एक्टिव रहा है । टीम के द्वारा कुण्डा बाजार जाकर सभी सम्बंधित लोकेशनों की रेकी की गयी । पुनः उमरे रेलवे सुरक्षा बल की टीम के द्वारा आईण्आरण्सीण्टीण्सीण् ए सिविल पुलिस ए रेलवे सुरक्षा बल साईबर सेल से समन्वय एवं सहयोग से आरोपी के विषय में महत्वपूर्ण सूचनायें प्राप्त की एवं साक्ष्य एकत्र किये । पुनः प्राप्त साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुये बैंकों के सहयोग से आरोपी के बैंक खातों में दर्ज पते को प्राप्त किया गया एवं उक्त गॉव में मुखबिरों के सहयोग से सटीक मुखबिरी कराते हुये उक्त युवक पंकज प्रजापति को टीम द्वारा रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार आरोपी पंकज प्रजापति के लैपटाप ए पेनड्राईप एवं मोबाईल नम्बर को लगातार बहुत गहनता से टीम द्वारा चेक किया गया तो यह ज्ञात हुआ कि उक्त साफ्ट वेयर किसी रेहान नामक व्यक्ति से खरीदा था ए एवं अन्य कई को बेचा था । प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर पंकज प्रजापति से पूछताछ करने पर उसने यह स्वीकार किया गया एवं रेहान का मोबाइल नम्बर बताया । बताये गये मोबाईल नम्बर पर आरोपी पंकज प्रजापति से फोन कराकर उसकी पिन प्वाईन्ट लोकेशन प्राप्त करते हुये उत्तर मध्य रेलवे द्वारा उसकी लोकेशन साझा करने पर पूर्व रेलवे द्वारा सुपरसेलर समसेर उर्फ रेहान को गिरफ्तार किया गया । इसी प्रकार पश्चिम रेलवे द्वारा भी उत्तर मध्य रेलवे से प्राप्त इनपुट के आधार पर यूजर अखय जैना को गिरफ्तार किया गया । इस प्रकार उत्तर मध्य रेलवे सुरक्षा बल टीम के प्रयासों से ई टिकटों के अंर्तराज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे लगातार इस प्रकार के अभियान चलाता रहता है और वर्तमान वर्ष में अवैध टिकटिंग कारोबार में संलिप्त 157 लोगो को गिरफ्तार किया गया और उनसे 90 लाख रुपये के ई.टिकट तथा 7ण्38 लाख रुपये के जाली टिकट बरामद किये गये। इस अवधि में 871 अवैध आई आर सी टी सी यूजर को भी ब्लाक किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे सभी सम्मानित यात्रियों से अनुरोध करता है कि कृपया रेलवे टिकट केवल अधिकृत माध्यमों से ही प्राप्त करें।

जिलाधिकारी ने स्वरूपरानी अस्पताल का किया निरीक्षण, बैठक कर दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त रखने, साफ-सफाई तथा छिड़काव का नियमित रूप से कराये जाने का दिया निर्देश

चिकित्सकों के साथ बैठक करते व अस्पताल का निरीक्षण करते जिलाधिकारी

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी मंगलवार को मेडिकल कालेज के सभागार में कोविड-19 की समीक्षा बैठक करते हुए भर्ती मरीजों के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि भर्ती मरीजों के इलाज एवं सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वेंटीलेटर पर रखे गये गम्भीर प्रकार के मरीजों की देखभाल में विशेष सर्तकता एवं सावधानी रखी जाये। मेडिकल कालेज प्राचार्य एस0पी0 सिंह ने कहा कि अस्पताल में भर्ती मरीजों की डॉक्टर एवं स्टाफ नर्सों के द्वारा नियमित रूप से देखभाल किया जा रहा है। उन्होंने डाइनोसिस टीम को और मजबूत बनाने तथा लैब की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि जो भी कोरोना पॉजिटिव मरीज आ रहे है, उनको तत्काल भर्ती करते हुए बिना किसी देरी के उनका इलाज शुरू हो जाना चाहिए, जिससे कि मरीज की स्थिति गम्भीर न होने पाये। जिलाधिकारी ने सभी उपकरणों को निरंतर क्रियाशील बनाये रखने एवं मरीजों का शत-प्रतिशत एक्सरे भी कराये जाने के लिए कहा है, जिससे कि बीमारी की गम्भीरता के बारे में ठीक ढंग से जानकारी हो सके और उसके अनुरूप इलाज किया जा सके। जिलाधिकारी ने सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दुरूस्त बनाये रखने का निर्देश दिया है साथ ही यह भी कहा है कि मरीजों के इलाज एवं उनकी देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं है।

बैठक के बाद जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर एवं वार्डों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राचार्य को अस्पताल परिसर में नियमित रूप से साफ-सफाई एवं छिड़काव कराते रहने का निर्देश दिया है। परिसर में पीछे साइड में नाले को देखा तथा वहां पर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। एक स्थान पर पड़े हुए मलवे को देखकर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल उसको हटाये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने खाली स्थानों पर इंटरलाकिंग कराये जाने एवं सड़क के किनारे-किनारे वृक्षारोपण भी कराये जाने के लिए कहा है। इस अवसर पर नगर आयुक्त श्री रवि रंजन, प्राचार्य मेडिकल कालेज-डॉ0 एस0पी0 सिंह सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण मौजूद थे।

रानी रेवती देवी इंटर कॉलेज ने तीन पूर्व शिक्षकों को किया सम्मानित

प्रयागराज। रानी रेवती देवी सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज, राजापुर प्रयागराज के प्रधानाचार्य ने इसी विद्यालय में विशिष्ट सेवा प्रदान कर विभिन्न विद्यालयों में प्रधानाचार्य के पद को सुशोभित कर अवकाश प्राप्त कर चुके तीन शिक्षकों को उनके घर जाकर विशिष्ट परम्परा का निर्वाह करते हुए शिक्षक रत्न से सम्मानित किया।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य बांके बिहारी पांडेय ने कहा कि हमें उन शिक्षकों को नहीं भूलना चाहिए जिनके अथक परिश्रम और योगदान से विद्यालय आज नित नई ऊंचाइयों को छूता जा रहा है। हम आगे भी अपने ऐसे विशिष्ट शिक्षकों का समय-समय पर सम्मान करते रहेंगे और उन्हें विद्यालय से जुड़े रहने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

उक्त सम्मान पाकर तीनों शिक्षकों दयाराम पाल, देवेंद्र प्रकाश सिंह एवं उमाशंकर सिंह सहित उनका परिवार भी बहुत प्रसन्न और कृतज्ञ हुआ और उन सभी शिक्षकों ने कहा कि जब भी विद्यालय हमें याद करेगा या हमारी सेवाओं के लिए विद्यालय को जरूरत पड़ेगी तो हम हर समय विद्यालय के साथ तैयार खड़े रहेंगे। इस दौरान प्रधानाचार्य के साथ विद्यालय के शिक्षकगण रमेश चंद्र मिश्रा, अवधेश कुमार, अशोक कुमार मौर्य, सुनील कुमार गुप्ता एवं मनोज गुप्ता आदि मौजूद रहे।

दीवार गिरने से महिला की दबकर मौत

प्रयागराज। सोरांव थाना क्षेत्र के गोहरी विकास का पूरा गांव में मंगलवार को अचानक दीवार गिरने से एक विवाहिता की दबकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

प्रतापगढ़ के बाघराय निवासी रेखा देवी (35) पत्नी प्रमोद कुमार खेती करके अपने परिवार का सहयोग करती थी। बताया जा रहा है कि रक्षाबन्धन के मौके पर अपने मायके सोरांव के गोहरी विकास का पूरा गांव आयी और यहीं पर थी। जहां मंगलवार दोपहर अचानक उसके घर की दीवार गिर गई, जिसके नीचे वह दब गई। हादसे के बाद आस-पास के लोग किसी तरह उसे मलवे से बाहर निकाला और उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जा रहे थे कि उसकी मौत हो गई। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्ज में लेकर विधिक कार्रवाई की।

फसलों के अवशेष जलाने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने फसलों के अवशेष को जलाने से रोकने हेतु प्रभावी कार्रवाई करने का दिया निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में सोमवार को देर शाम संगम सभागार में खरीफ मौसम की फसलों के अवशेषों को जलाये जाने से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी कृषि विभाग, राजस्व विभाग तथा अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि किसी भी दशा में फसलों के अवशेष न जलाये जाये। उन्होंने कृषको के मध्य फसल अवशेष जलाने से मिट्टी, जलवायु एवं मानव स्वास्थ्य को होने वाली हानि के विषय में व्यापक रूप से जागरूक कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों के मध्य इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये कि फसल अवशेष जलाना दण्डनीय है।

उन्होंने कहा कि सम्बंधित ग्राम के ग्राम प्रधान एवं लेखपाल तथा ग्राम पंचायत अधिकारी एवं कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक, बी0टी0एम0 व ए0टी0एम0 का यह दायित्व होगा कि फसल अवशेष न जलने पाये, इसके लिए जो भी आवश्यक कदम उठानें हो, उसको उठाया जाये। फसल अवशेष जलाने की घटनाएं सामने आने पर सम्बंधित लेखपाल/नोडल अधिकारी इसके लिए जिम्मेदार होंगे और उनके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। जिलाधिकारी ने समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्रों में फसल अवशेष जलाये जाने की घटनायें रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें तथा किसी भी दशा में अपने क्षेत्र में फसल अवशेष जलाये जाने की घटनायें बिल्कुल न होने दें। कोई किसान पराली जलाता है तो उसके विरूद्ध आई0पी0सी0 तथा राष्ट्रीय हरित अधिकरण के प्रावधानों के तहत जुमार्ना लगाया जाये। घटना की पुनरावृत्ति होने पर एफआईआर दर्ज करायी जायेगी। सभी थाना प्रभारियों को पराली जलाने की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिये। साथ ही अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, नगर पंचायत सुनिश्चित करेंगे कि कूड़ा जलाने की घटना भी न हो। उन्होंने बताया कि कृषि भूमि का क्षेत्रफल 2 एकड़ से कम होने की दशा में अर्थदण्ड 2500, 2 एकड़ से अधिक किन्तु 5 एकड़ से कम होने की दशा में अर्थदण्ड 5000 तथा 5 एकड़ से अधिक होने की दशा में अर्थदण्ड रुपए 15000 प्रति घटना लगाया जायेगा। जनपद में चलने वाली प्रत्येक कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ एक कृषि विभाग का कर्मचारी नामित रहे जो कि अपनी देख-रेख में कटाई का कार्य कराये। कोई भी कम्बाइन हार्वेस्टर, सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अथवा सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम अथवा स्ट्रा रीपर अथवा स्ट्रा रेक एवं बेलर के बगैर चलते हुई पायी जाये तो उसको तत्काल सीज कर दिया जाये। समस्त उप जिलाधिकारी अपनी-अपनी तहसीलों में दैनिक कृत कार्यवाही की सूचना अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की गठित सेल को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने समस्त निदेर्शों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिये है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी-श्री आशीष कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मुख्य राजस्व अधिकारी, एस0पी0 गंगापार, एस0पी0 यमुनापार, उप जिलाधिकारीगण, समस्त तहसीलदारगण, जिला पंचायतराज अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते जिलाधिकारी

मुविविः एमबीए-एमसीए में प्रवेश परीक्षा अब 15 तक

प्रयागराज। कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न विषम परिस्थितियों के फलस्वरूप उ.प्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के सत्र जुलाई 2020 के एम.बी.ए एवं एम.सी.ए कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 15 सितम्बर तक बढ़ा दी है। उक्त जानकारी देते हुए प्रवेश प्रभारी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने निर्देशित किया है कि उक्त दोनों कार्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट व वेबलिंक पर अंतिम तिथि 15 सितम्बर तक प्रवेश परीक्षा आवेदन हेतु अपना पंजीकरण सुनिश्चित करा लें।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

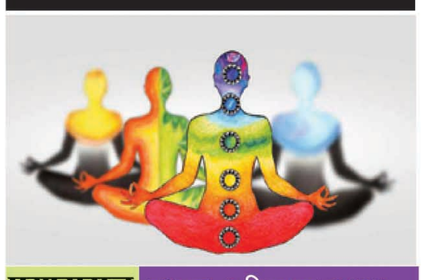

प्रयागराज बुधवार, 9 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

गुरु और ईश्वर की सच्ची पूजा...

वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि गुरु व ईश्वर की सच्ची पूजा से मनुष्य के सभी कष्ट हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं।

आदि काल से परम सत्य की खोज मानव की विशेषता रही है। साँच को आँच नहीं, एक सत्य सूत्र है । शारीरिक बीमारियां, मानसिक अशांति और अज्ञानता के विविध आयाम को आँच कहते हैं। क्रियायोग से पूर्ण एकता स्थापित होने पर मनुष्य सच की अनुभूति कर सच से एकाकार हो जाता है और यह अनुभव करता है कि परब्रह्म - अद्वैत, नित्य, पूर्ण, अनादि, अनंत, सर्वज्ञ, सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान, व अमर हैं। दृश्य व अदृश्य जगत, निराकार व साकार रूप में परब्रह्म स्वयं प्रकट हो रहें हैं।

भौतिक जगत की रचनाओं की जाँच करने पर पता चला है कि आसमान, वायु, अग्नि, जल, अणु - परमाणु और उर्जा की तरंगों के अस्तित्व को समाप्त नहीं किया जा सकता, इनके आकार- प्रकार को रुपान्तरित किया जा सकता है। इससे स्पष्ट है कि मृत्यु का अस्तित्व नहीं है। परब्रह्म अमर हैं, सभी रचनायें परब्रह्म से उसी तरह प्रकट हो रहीं हैं जिस प्रकार समुद्र से समुद्र की लहरें।

मृत्यु व मृत्युलोक के ज्ञान को मायावी ज्ञान कहते हैं। माया से मुक्ति ही अज्ञानता से मुक्ति है और इसी को मोक्ष कहते हैं। वर्तमान शिक्षा पद्धति कम्पैरिजन, तुलना व सापेक्षता के सिद्धांत पर आधारित है जिससे माया का ज्ञान होता है। फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ, टेक्निकल, मेडिकल, इतिहास, भूगोल, राजनीति आदि अनेकों विषयों की शिक्षा प्रदान करने वाले को शिक्षक कहते हैं तथा मोक्ष की शिक्षा देने वाले को गुरु कहते हैं। क्रियायोग की शिक्षा मोक्ष प्रदान करने वाली शिक्षा है। मोक्ष की प्राप्ति में माया का भी पूर्ण ज्ञान हो जाता है।

क्रियायोग अविद्या से मुक्ति का विज्ञान है। जो अस्तित्व में नहीं है उसके अस्तित्व के बारे में भ्रांत धारणा होना अविद्या है। मृत्यु व मृत्युलोक के अस्तित्व को स्वीकार करना माया के अस्तित्व को स्वीकार करना है और यही सभी कष्टों का कारण है।

क्रियायोग से सम्यक जुड़ने से अनुभव होता है कि सत्य व अहिंसा से जुड़ना ईश्वर की सच्ची पूजा है। फूल तोड़ कर माला बनाकर गुरु या ईश्वर की पूजा सम्भव नहीं क्योंकि फूल और पत्ती तोड़ना हिंसा है। फूल और पत्ती में चैतन्य जीवन प्रवाहित होता है जब उन्हें तोड़ा जाता है तब उन्हें बहुत दर्द होता है। किसी को दर्द देकर, कष्ट पहुंचाकर पूजा करना हिंसा है। क्रियायोग का अभ्यास गुरु और ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ पूजा है। जब हम किसी की पूजा करते है तब हमारे अन्दर पूज्य अस्तित्व के गुण जागृत होने लगते हैं। क्रियायोग के सम्यक अभ्यास से मनुष्य के अंदर ईश्वरी गुण जागृत हो जाते हैं। इस समय मनुष्य अपने को मनुष्य नहीं बल्कि ईश्वर की सन्तान के रूप अनुभव करता है।

True Worship of Guru and God

True worship of Guru and God can permanently remove all problems of Life.

From time immemorial, seeking the Truth has been the aim of human beings (manushya). Oneness with Truth keeps all troubles away. Physical illness, mental disharmony and ignorance are some troubles that one may have. When a person becomes one with the practice of Kriyayoga, then that person becomes steadfast on the path of seeking Truth and ultimately perceives Truth. Such a person experiences God as Undivided, Eternal, Complete, Infinite, Omniscient, Omnipresent, Omnipotent and Immortal. God has manifested in both the visible and the invisible, the form and formless.

Through research we have discovered that the elements of sky, air, fire, water, atoms and molecules, and energy waves can never be destroyed. Their form changes but they cannot be destroyed. This proves that death does not exist. God is Eternal. All creations are manifestations of God in the same way that wave is part of the ocean. Therefore, all creations are Eternal.

Knowledge about death and Sphere of Death (Mrityu Loka) is illusionary knowledge. To be free from illusion is to be free from ignorance. This is also known as Moksha or liberation. The present educational system is based on the foundation of comparison and relativity which is an illusionary concept. Those who teach subjects such as physics, chemistry, math, technical or medical education, history, geography, politics and others are known as teachers. One who teaches about liberation from Ignorance (Moksha) is known as Guru. The teaching of Kriyayoga is the teaching to attain liberation from Ignorance (Moksha) which brings complete knowledge about Illusion as well. To learn about anything which is non-reality and having no existence is Ignorance. Acceptance of death and the Sphere of Death is acceptance of existence of illusion, which is the cause of all suffering and problems in life.

With devoted practice of Kriyayoga, we realize that the correct worship of Guru and God means to be one with Truth and Non-violence. It is not possible to worship Guru and God with garlands made of plucked flowers and leaves, as this is an act of violence. There is living consciousness in flowers and leaves and if we pluck them, we cause them pain and suffering. To cause pain and problems for others, for the purpose of worship is an act of violence.

The practice of Kriyayoga is the highest worship of Guru and God. Whenever we worship anyone, we awaken within ourselves blessed angelic traits. The practice of Kriyayoga awakens Divine qualities within oneself. Then, one perceives oneself not as a human being (manushya) but as a Child of God (Purusha).